| Sr. No. | Name of the Program | Program Learning Outcomes | Program Specific Learning Outcomes | Name of Course With Code | Course Learning Outcomes |
|---|---|---|---|---|---|
| 23 | M85 | | | | |
| | | • भाषा, शोध साहित्यिक पृष्ठभूमि, साहित्यिक, कलाकृतियों का समझ ,रचना एवं विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।<br>• चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक क्षमताएँ प्राप्त होगी<br>• छात्र विभिन्न व्यावसायिक कौशल विकसित कर उन्हें रोजगार प्राप्त करने | १. हिंदी साहित्य की विभिन्न कलाओं के प्रवृत्तिगत अध्ययन से विभिन्न साहित्यिक कलाओं को समझाने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।<br>२. हिंदी साहित्य के वर्गीकरण की आधार साहित्यिक युगों, और धाराओं को समझने और उसकी पहचान करने में सक्षम हो।<br>३. साहित्य की विविध विधाओं का स्वरूपात्मक ज्ञान प्राप्त कर छात्रों में साहित्यिक रूपों और उसकी विशेषताओं की पहचान करने की क्षमता विकसित होगी।<br>४. लोकसाहित्य के क्षेत्र में शोधकार्य करने से छात्र शोध की मूलभूत विधियों से परिचित होंगे।<br>५. प्रमुख साहित्यकारों और उनके साहित्यिक ग्रंथों का अध्ययन करने से छात्रों में साहित्यिक समझ में वृद्धि होगी।<br>६. संवाद कौशल और प्रस्तुति कौशलको विकसित करने के लिए प्रशिक्षित होंगे। | १. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल (HIN501) | • छात्र में हिंदी साहित्येतिहास की लेखन एवं परंपरा के संदर्भ में जानकारी हासिल कर पाएगे।<br>• हिंदी साहित्येतिहास की आशय, उपयोगिता और दर्शन को समझ पाएगे।<br>• अध्ययन के बाद हिंदी साहित्य की आदिकाल, भक्तिकाल और रीतीकाल से परिचित होगा। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | और उसमें सफल होने में मदद होगी. | ७. आलोचनात्मक सोच विकसित होकर छात्रों में साहित्यिक और गैर-साहित्यिक विषयों के बारे में गहराई से सोचने और उन्हें आलोचनात्मक दृष्टिकोण से समझने की क्षमता विकसित होगी।<br>८. छात्र साहित्यिक कलाओं की विभिन्न धाराओं, शैलियाँ, और कला-संगीत के संदर्भ में समझ विकसित करेंगे।<br>९. शोध के प्रति रुचि और उत्साह बढ़ेगा, जिससे वे नवीन ज्ञान की खोज और उसमें योगदान कर सकेंगे।<br>१०. छात्र विभिन्न व्यावसायिक कौशल विकसित करेंगे जो उन्हें रोजगार प्राप्त करने और उसमें सफल होने में मदद करेंगे | | |
| | | | | २. भारतीय साहित्य (HIN506)(४ श्रेयांक) | • छात्र भारतीय साहित्य की अवधारणाओं को समझ पाएगा<br>• भारतीय कविता का स्वरूप एवं प्रतिनिधि कवियों से परिचय होगा<br>• भारतीय कथा का विकासक्रम को समझकर प्रतिनिधिक भारतीय कथाकारों से परिचय होगा<br>भारतीय नाटक का विकासक्रम और प्रतिनिधिक भारतीय नाटककारों से परिचय होगा |
| | | | | 3. कथासाहित्य (HIN502) (४ श्रेयांक) | • कथा साहित्य में कहानियों/कहानी का उदभव और विकास को समझ पाएगा। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | • प्रतिनिधिक कहानियों से परिचय होगा।<br>• कथा साहित्य में उपन्यास की उदभव और विकासक्रम से परिचित होकर छात्रों में उपन्यास से रूचि निर्माण होने सहायता मिलेगी।<br>• फाँस और दौड़उपन्यास में अभिव्यक्त व्यक्तित्व, कृतित्व, समीक्षा और समस्याएँ से अवगत होगा। |
| | | | | ४. संप्रेषण कौशल (HIN514) (२ श्रेयांक) | • वाचन कला की संकल्पना और महत्व को समझ पाएगा।<br>• काव्य, नाट्य और कथा में वाचन कौशल की महत्व को समझ पाएगा<br>• संभाषण कला की संकल्पना और महत्व से अवगत होगा |
| | | | | ५. हिंदी साहित्य विविध विमर्श (HIN505) (४ श्रेयांक) | • विमर्श संकल्पना और स्वरूप को समझ पाएगा।<br>• स्त्री विमर्श को समझ पाएगा<br>• दलित विमर्श को समझ पाएगा<br>• आदिवासी विमर्श को समझ पाएगा |
| | | | | ६. कथेत्तर गद्य साहित्य (HIN505) (४ श्रेयांक) | • कथेत्तर गद्य साहित्य में हिंदी निबंधकी उदभव और विकास रूबरू होगा।<br>• निबंधकी परिभाषा, स्वरूप और प्रकारों को समझ पाएगे ।<br>• जीवनी और आत्मकथा की उदभव और |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | विकास को जान पाएगे ।<br>● जीवनी और आत्मकथा की परिभाषा और स्वरूप को समझ पाएगे।<br>● रेखाचित्र और संस्मरण की उदभव और विकास को समझ पाएगे।<br>● रेखाचित्र और संस्मरण की परिभाषा और स्वरूप को समझ पाएगे।<br>● यात्रावृत्तांत और साक्षात्कार की उदभव और विकास को समझ पाएगे।<br>● रेखाचित्र परिभाषा, स्वरूप और तत्व को समझ पाएगे।<br>● रेखाचित्र उद्भव /उद्भव और विकास को समझ पाएगे।<br>● संस्मरण परिभाषा, स्वरूप और तत्व को समझ पाएगे। |
| | | | | ७. शोध प्रविधि (Research Methodology)(४ श्रेयांक) | ● शोध स्वरूप एवं संकल्पना को समझ पाएगे।<br>● शोध प्रकार, क्षेत्रऔर समस्या को समझ पाएगे।<br>● शोध प्रविधि और प्रक्रिया को समझ पाएगे।<br>● शोध लेखन प्रणाली और प्रस्तुति को समझ पाएगे |
| | | | | ८. हिंदी साहित्य का | ● छात्र में हिंदी साहित्य का इतिहास का |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | इतिहास(HIN 507) (आधुनिक काल) | आधुनिक काल की पृष्ठभूमी में बारे में जानकारी मिलेगी<br>● स्वतंत्रतापूर्व हिंदी साहित्य से परिचय होगे<br>● स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य(2000 तक) को समझ पाएगे<br>● इक्कीसवी सदी का हिंदी साहित्य को समझ पाएगे . |
| | | | | ९. भाषा विज्ञान (HIN508 ) (४ श्रेयांक | ● भाषाविज्ञान का स्वरूप और व्याप्ति से अवगत होगे .<br>● विविध भाषा परिवार से परिचित होगे .<br>● अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान से परिचित होगे.<br>● भाषाविज्ञान के विविध अंग को समझ सकोगे. |
| | | | | १०. प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य HIN 515(४ श्रेयांक) | ● आदिकालीन काव्य को समझ सकोगे<br>● भक्तिकालीन निर्गुण काव्य को समझ सकोगे<br>● भक्तिकालीन सगुण काव्य को समझ सकोगे<br>● रीतिकालीन काव्य को समझ सकोगे |
| | | | | ११. सृजनात्मक लेखन (HIN516) (२श्रेयांक) | ● सृजनात्मक लेखन : सैद्धांतिक पक्ष को समझ सकोगे<br>● सृजनात्मक लेखन : व्यावहारिक पक्ष को |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | समझ सकोगे |
| | | | | १२. राजभाषा हिंदी (HIN511 (४ श्रेयांक) | • संवैधानिक प्रावधानको समझ सकोगे<br>• कार्यालयीन हिंदीको समझ सकोगे<br>• आलेखन और टिप्पण को समझ सकोगे प्रशासनिकशब्दावली को समझ सकोगे |
| | | | | १३. हिंदी वेब साहित्य (HIN517) | • प्युटर (संगणक) प्रणाली-उदभव उद्‌भव और विकास को समझ सकोगे<br>• हिंदी वेब – उद्‌भव और विकास को समझ सकोगे<br>• हिंदी वेब साहित्य को समझ सकोगे भाषा प्रौद्योगिकी-विकास एवं प्रयोग को समझ सकोगे |
| | | | | १४. क्षेत्रीय परियोजना (FP) (HIN513) (४ श्रेयांक | • विद्यार्थ्यांयों में अध्ययन विषय के संबंध में संदर्भ आनेवाली सामान्य किंवा स्थानीय समस्यांओं से रुबरु होकर उनमें चेतना निर्माण कराना।<br>• पाठ्यक्रम का सिद्धांत, संकल्पनाओं की व्यावहारिक जीवन से समायोजन करने में सक्षम बनाना।<br>• तथ्य संकलन, सूचना विश्लेषण और शोध करने की क्षमता को विकसित करना।<br>• अनुभव आधारित ज्ञान के आधार पर व्यक्तित्व विकास में मदद करना।<br>• विद्यार्थ्यांयों में चिकित्सकवृत्ती विकसित कर समस्यांयों पर उपाययोजना में सुझाव |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | देने में सक्षम बनाना। |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |